चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	8.8.22	9	2-8

हकृवि में दाखिले के लिए 6198 ने दी परीक्षा

विश्वविद्यालय में रविवार को दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा हुई जिसमें कुलपति ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा हुई। यह परीक्षा बीएससी (आनर्ज) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी (आनर्ज) कम्यूनिटी साइंस चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमैंट सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्सय विज्ञान व बायोटेक्नॉलॉजी महाविद्यालयों के सभी एमएससी विषयों में दाखिले के लिए हुई थी। इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में पीएचडी में दाखिलों के लिए भी उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए थे। परीक्षा में किसी भी केन्द्र पर नकल या दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने का मामला प्रकाश में नहीं आया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, कुलसचिव डॉ. एसके महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा व कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। इस प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के अतिरिक्त हिसार शहर के 12 स्कूलों तथा कॉलेजों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे और परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था।

परीक्षा केंद्रों में करीब 78 फीसद छात्रों की भागीदारी रही

8130 विद्यार्थियों ने किया था आवेदन

परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 8130 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इस परीक्षा में उम्मीदवारों की करीब 78 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। इनमें से बीएससी (आनर्ज) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम एवं बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में 4918 परीक्षार्थियों सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्स्य विज्ञान व बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालयों में एमएससी पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए 455 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में पीएचडी के लिए 825 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। इस तरह से कुल 6198 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

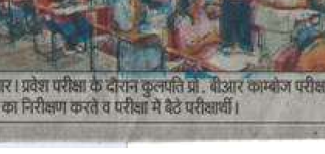

हिसार। प्रवेश परीक्षा के दौरान कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते व परीक्षा मे बैठे परीक्षार्थी।

कोरोना हिदायतों का पालन किया गया

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इस परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी से बचाव की हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8.8.22	1	6-8

एचएयू में दाखिले के दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा में 78 प्रतिशत विद्यार्थी रहे शामिल

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्स्य विज्ञान व बायोटेक्नोलाजी महाविद्यालयों के सभी एमएससी विषयों में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। परीक्षा में 78 प्रतिशत परीक्षार्थी मौजूद रहे।

इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में पीएचडी में दाखिलों के लिए भी उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। इस प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के अतिरिक्त हिसार शहर के 12 स्कूलों व कालेजों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 8130 विद्यार्थियों ने आनलाइन आवेदन किया था।

प्रवेश परीक्षा देकर बाहर आते परीक्षार्थी। • जागरण

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, कुलसचिव डा. एसके महता, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा व कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। परीक्षार्थियों में बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम एवं बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में 4918 परीक्षार्थियों सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्स्य विज्ञान व बायोटेक्नोलाजी महाविद्यालयों में एमएससी पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए 455 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.8.22	4	3-6

विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा, विवि के अतिरिक्त बनाए थे 12 सेंटर

एचएयू प्रवेश परीक्षा : 8130 विद्यार्थियों ने किया था आवेदन, 78 फीसद हाजिरी रही

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी (ऑनर्स) कम्यूनिटी साइंस चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्स्य विज्ञान व बायोटेक्नॉलोजी महाविद्यालयों के सभी एमएससी विषयों में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। 8130 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इस परीक्षा में उम्मीदवारों की करीब 78 % उपस्थिति रही।

इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में पीएचडी में दाखिलों के लिए भी उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। यह परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए गए थे जिनके चलते परीक्षा में किसी भी केन्द्र पर नकल या दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने का मामला प्रकाश में नहीं आया। एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज, कुलसचिव डॉ. एसके महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा व कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के अतिरिक्त हिसार शहर के 12 स्कूलों व कॉलेजों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे और परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया था। वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा शान्तिपूर्वक संपन्न हुई।

हिसार। एचएयू के वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए

विवि की वेबसाइट पर जानकारी लेते रहें

परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 8130 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इस परीक्षा में उम्मीदवारों की करीब 78 % उपस्थिति दर्ज की गई। इनमें से बीएससी एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम एवं बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में 4918 परीक्षार्थियों सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्सय विज्ञान व बायोटेक्नॉलोजी महाविद्यालयों में एमएससी पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए 455 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर अवश्य चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8.8.2022	4	5-6

एचएयू : 12 परीक्षा केंद्रों पर 4918 विद्यार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी। संवाद

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा के लिए शहर में स्कूल व कॉलेजों में 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए। परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए 8130 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। जबकि परीक्षा देने करीब 78 प्रतिशत विद्यार्थी ही पहुंचे।

चार वर्षीय बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर एवं बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में 4918 परीक्षार्थियों सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्सय विज्ञान व बायोटेक्नॉलोजी महाविद्यालयों में एमएससी पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए 455 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में पीएचडी के लिए 825 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी।

परीक्षा में किसी भी केंद्र पर नकल या दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने का मामला सामने नहीं आया। परीक्षा के दौरान कोरोना गाइडलाइन का पूरा पालन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज, कुलसचिव डॉ. एसके महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा व कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.8.22	3	7-8

हकृवि में विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी। (पेपली)

हिसार, 7 अगस्त (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय के अतिरिक्त हिसार शहर के 12 स्कूलों व कॉलेजों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा में उम्मीदवारों की करीब 78 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था। इस प्रवेश परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए गए थे। परीक्षा के दौरान कहीं से भी परीक्षा में किसी भी केन्द्र पर नकल या दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने का मामला प्रकाश में नहीं आया। वहीं परीक्षा के बाद शहर के कुछ मार्गों पर जाम जैसी स्थिति रही।

इन पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित की गई परीक्षा

यह परीक्षा बी.एस.सी. (आनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बी.एस.सी. (आनर्स) कम्यूनिटी साइंस 4 वर्षीय पाठ्यक्रम, बी.एससी. एग्रीबिजनैस मैनेजमैंट सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्सय विज्ञान व बायोटैक्नॉलोजी महाविद्यालयों के सभी एम.एससी. विषयों में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में पीएच.डी. में दाखिलों के लिए भी उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए।

कुलपति ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलसचिव डॉ. एस.के. महता, ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा व कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

8130 विद्यार्थियों ने किया था ऑनलाइन आवेदन

परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 8130 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इसमें उम्मीदवारों की करीब 78 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। इनमें से बी.एससी. (आनर्स) एग्रीकल्चर 4 वर्षीय पाठ्यक्रम एवं बी.एससी. एग्रीबिजनैस मैनेजमैंट में 4918 परीक्षार्थियों सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्सय विज्ञान व बायोटैक्नॉलोजी महाविद्यालयों में एम.एससी. पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए 455 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

कई पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। इस दौरान कोरोना महामारी से बचाव की हिदायतों का पालन किया गया था। सभी केन्द्रों पर परीक्षा शान्तिपूर्वक संपन्न हुई।

\- प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलपति हकृवि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.8.22	8	3-6

हकृवि में विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

कुलपति ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

हिसार, 7 अगस्त (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएससी (आनर्ज) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी (आनर्ज) कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्स्य विज्ञान व बायोटैकनॉलोजी महाविद्यालयों के सभी एमएससी विषयों में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में पीएचडी में दाखिलों के लिए भी उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। यह परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए गए थे, जिनके चलते परीक्षा में किसी भी केन्द्र पर नकल या दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने का मामला प्रकाश में नहीं आया।

प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलसचिव डॉ. एस.के. महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा व कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया। इस प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के अतिरिक्त हिसार शहर के 12 स्कूलों व कॉलेजों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे और परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था।

कोरोना महामारी की सभी हिदायतों का किया गया पालन

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इस परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी से बचाव की हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा शान्तिपूर्वक संपन्न हुई।

दाखिले के लिए 8130 विद्यार्थियों ने किया था ऑनलाइन आवेदन

परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 8130 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इस परीक्षा में उम्मीदवारों की करीब 78 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। इनमें से बीएससी (आनर्ज) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम एवं बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट में 4918 परीक्षार्थियों सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्स्य विज्ञान व बायोटैकनॉलोजी महाविद्यालयों में एमएससी पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए 455 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में पीएचडी के लिए 825 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अवश्य चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	7.8.2022	--	--

हकृवि में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न

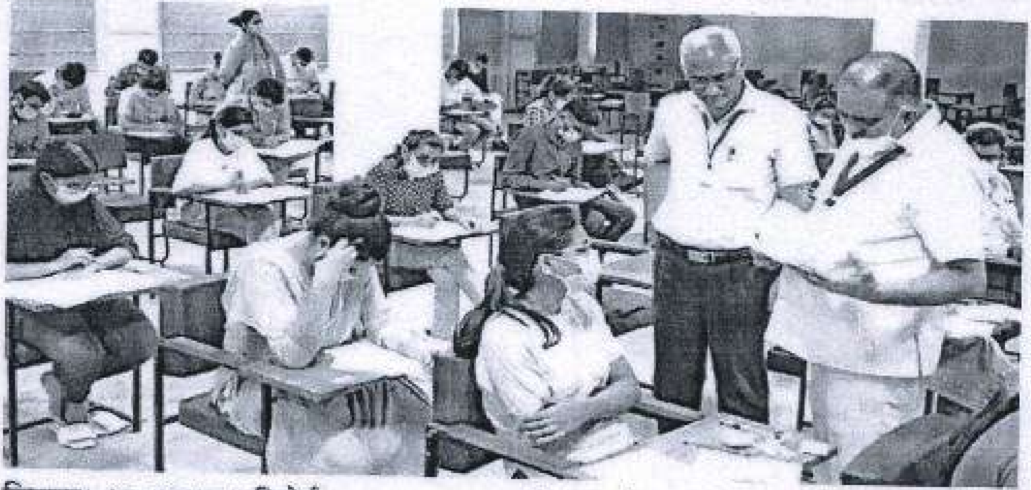

हिसार/ 07 अगस्त/ रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएससी (ऑनर्ज) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी (ऑनर्ज) कम्यूनिटी साइंस चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमैंट सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्स्य विज्ञान व बायोटैकनॉलोजी महाविद्यालयों के सभी एमएससी विषयों में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में पीएचडी में दाखिलों के लिए भी उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। यह परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, कुलसचिव डॉ. एसके महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा व कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के अतिरिक्त हिसार शहर के 12 स्कूलों व कॉलेजों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	8.8.2022	03	4-7

हकृवि में विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएससी (आनर्ज) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी (आनर्ज) कम्यूनिटी साइंस चार वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएससी एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट सहित मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, मत्स्य विज्ञान व बायोटैक्नॉलोजी महाविद्यालयों के सभी एमएससी विषयों में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में पीएचडी में दाखिलों के लिए भी उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। यह परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए गए थे जिनके चलते परीक्षा में किसी भी केन्द्र पर नकल या दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने का मामला प्रकाश में नहीं आया।

कुलपति ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलसचिव डॉ. एस.के. महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा व कुलपति सचिव कपिल अरोड़ा ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के अतिरिक्त हिसार शहर के 12 स्कूलों व कॉलेजों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे और परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था।

कोरोना महामारी की सभी हिदायतों का किया गया पालन

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इस परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी से बचाव की हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा शान्तिपूर्वक संपन्न हुई।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	8.8.22	10	1-8

FOCUS AGRICULTURE

CROP DIVERSIFICATION

Millets offer opportunities

MANAV MANDER

WITH 2023 being the UN-designated International Year of Millets, there is a need to promote and strengthen the value chain for millets and millet-based products, including the ready-to-eat category. Millets are being increasingly recognised as climate-smart crops with enormous nutritional and health benefits.

"Rigorous efforts are needed to mainstream millet farming to improve the ecological balance and the health system of the population, using the 'super grain' as health foods. Incentives should be provided to people growing and procuring nutri-cereals, besides enhancing domestic consumption by creating awareness among the consumers. Farmers should be educated about millet-growing techniques and their processability," says Dr Ruchika Bhardwaj, Millets Breeder, Department of Plant Breeding and Genetics, Punjab Agricultural University (PAU), Ludhiana.

Millets are traditional grains grown and consumed in the Indian subcontinent since ages. They are classified on the basis of their seed size. Major millets include sorghum (*jowar*) and pearl millet (*bajra*); the minor ones are finger millet (*ragi*), foxtail (*kangni*), little millet (*swank*), kodo millet (*kodon/kodra*), barnyard millet (*sawantie chawal*), proso millet (*cheena*) and browntop millet (*hari kangni*).

Gurmukh Singh, a farmer from Rangilpur village in Gurdaspur district, has been involved in millet farming for the past five years. Also a member of the Kheti Virasat Mission, he says millet farming is the solution to major agricultural problems being faced by Punjab.

"Our state is under severe water crisis as the cultivation of rice has led to a steep fall in the water table. Millets require far less water to produce 1-kg grains as compared to rice. Pearl millet has the potential to survive at a temperature of up to 46°C," he says.

Gurmukh, who distributes seeds free of cost on the condition that the person will grow the crop organically, says millets should be made a key element of the crop diversification programme.

"The revival of millet cultivation is needed to break the monoculture and ensure food, health, nutrition and economic security as well as soil health maintenance. Versatile millets provide an option for sustainable agriculture amid climate change," says Dr Bhardwaj.

Millets, known as 'nutri-cereals/wonder grain/super grain' are highly nutritious and non-glutinous; they are rich in dietary fibre. They have many nutraceutical and health-promoting properties and have three times more calcium as compared to rice; they are also rich in antioxidants and score over rice and wheat.

"The glycemic index of millet-based products is lower, which ensures slower release of carbohydrates and control of the blood sugar level. Thus, millets are a very good source of nutrition for diabetic people. Millets are gluten-free and can be a substitute for wheat or gluten-containing grains for coeliac patients," says Dr Neerja Singla, Associate Professor, Department of Food and Nutrition, PAU.

Assured Minimum Support Price (MSP) and public procurement are virtually non-existent in Punjab for crops other than wheat and paddy; so, farmers in the state are reluctant to opt for crop diversification. The MSP has been announced for many crops, including millets, but to no avail. "Lack of demand and marketability of millets is a hindrance to the adoption of these crops, thus leading to wastage of the produce due to infrastructural inadequacies," says Ramander Singh, a farmer from Milakowal village in Ludhiana district.

Gurmukh says the de-husking of millets is another challenge as very few machines are available in Punjab.

Farmers' tentative steps

DEEPENDER DESWAL

MILLETS, including *bajra* and *jowar*, are among the kharif crops grown in dry and semi-dry areas of Mahendragarh, Bhiwani, Gurgaon, Hisar, Rohtak, Jhajjar and Rewari districts of Haryana. According to Agriculture Department figures, Haryana has 483.1 hectares under *bajra* during 2021-22. *Jowar* is sown mainly as fodder for cattle.

For farmers, millets are not good enough to sustain a livelihood and thus they have to sow paddy, cotton and other crops, depending upon availability of water. Satya Narayana, a cotton farmer of Bahbalpur village in Hisar, says it does not make sense to sow *bajra*, which has an input cost of about Rs 15,000-16,000 per acre and then harvest the produce which could fetch a maximum of Rs 20,000. "I sow *bajra* for my consumption on a small piece of land. It is not an economically viable crop," he adds.

A report by Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Hisar, mentions that the area under *bajra* has shown a decreasing trend even though its productivity has improved with the adoption of hybrid seeds. *Bajra* production fluctuates, depending upon the quantum of precipitation as large areas are confined to rainfed conditions. The HAU report states that *bajra*'s average net returns in Haryana are Rs 1,338 per acre.

The HAU Vice Chancellor, Dr BR Kamboj, says millets are the most resilient and climate-adaptable crops in harsh, hot (up to 50°C) and drought conditions. "In response to the current public health crisis in terms of rising Non-Communicable Diseases and healthcare costs, governments are looking at traditional staple foods for ensuring the daily recommended nutrition," he says.

Dr Kamboj says millets were traditionally consumed across India, but due to the push given to food security during the Green Revolution in the 1960s, these were rendered 'orphaned crops'. Before the Green Revolution, millets made up around 40% of all cultivated grains; this share has dropped to around 20% over the years, compromising agricultural, nutritional and environmental concerns. "Its consumption and sowing area have declined, with farmers shifting to commercial crops, oilseeds, pulses and maize. These crops are profitable and their production is supported by several policies through subsidised inputs, incentivised procurement and inclusion in the public distribution system. This has resulted in changes in dietary patterns with preferential consumption towards calorie-rich cereals," the VC says, adding that due to reduced focus, millets suffered on the R&D front.

Director General, state Agriculture Department, Hardeep Singh says though Haryana has sufficient area under *bajra* and good productivity, "we need to make people aware of the nutritional richness of millets. Their consumption can be increased by setting up processing units."

Promoting nutri-cereals

- India is a major millet-producing country in the world. The Department of Agriculture and Farmers' Welfare has been implementing the Sub-Mission on Nutri-Cereals (Millets) under the National Food Security Mission from 2018-19 to enhance area, production and productivity of millets.
- The United Nations declared 2023 as International Year of Millets after India's resolution in this regard, supported by 72 countries, was adopted by the UN General Assembly.
- The govt's action plan focuses on strategies to enhance millet production, consumption, export and branding.

ISTOCK